साप्ताहिक
विश्वास का तीर
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-35 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 12 जुलाई 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

मप्र में नाइट कल्चर बंद

विधायकों के विरोध के बाद सीएम ने दिए निर्देश; विजयवर्गीय ने ड्रग के अवैध कारोबार का मुद्दा उठाया

विश्वास का तीर

इंदौर में नाइट कल्चर फिलहाल बंद कर दिया गया है। इंदौर संभाग के मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसके निर्देश दिए। इसके बाद इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बाजार 24 घंटे सातों दिन खुले रखने का पुराना आदेश निरस्त कर दिया है। बता दें कि इंदौर में निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक, बीआरटीएस कॉरिडोर में विभिन्न व्यवसायिक/औद्योगिक/कार्यालय आदि संस्थानों के लिए 24 घंटे संचालन की परमिशन दी गई थी।बताया जा रहा है कि इंदौर के विधायकों के विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को बंद करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास से सीएम डॉ. मोहन यादव ने इंदौर संभाग के बीजेपी विधायकों के साथ बैठक की। जिसमें विधायकों के सुझावों के बीच इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन में नई व्यवस्था पर चर्चा हुई। इसके दुष्परिणामों पर कुछ विधायकों ने सीएम से चर्चा की तो नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी इस पर सहमति दी। इसके बाद सीएम यादव ने कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह को निर्देश दिए कि नई कार्ययोजना बनाकर बाजार एवं व्यवसायिक संस्थाओं का संचालन रात्रि में कराएं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारे लिए नागरिकों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता पर है। हम सुशासन के पक्षधर हैं। इंदौर मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी और शांति का टापू है। हमारी मांग पर मुख्यमंत्री जी ने रात्रिकालीन सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं, इसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन करता हूं।

विजयवर्गीय ने रात्रिकालीन बाजार खुलने के साथ ड्रग के अवैध कारोबार का मुद्दा उठाया

इंदौर संभाग के मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ड्रग के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन के संबंध में नई व्यवस्था लागू करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल निर्देश दिए हैं कि इंदौर शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना बनाकर रात्रिकालीन बाजार, औद्योगिक संस्थान, कार्यालय संचालन आदि के संबंध में नई व्यवस्था लागू करें। ड्रग के अवैध कारोबार पर भी प्रभावी रूप से रोक लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही इस मामले में बड़े दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिए कहा है।

13 सितम्बर 2022 को हुई थी नाइट वर्क कल्चर की शुरुआत

दरअसल, सांसद शंकर लालवानी की पहल पर 13 सितम्बर 2022 को नाइट वर्क कल्चर की शुरुआत की गई थी। इसके बाद रात को गुण्डागर्दी, छेड़छाड़, मारपीट, नशे का सेवन जैसी घटनाएं काफी बढ़ी। हत्याएं भी हुई और महिला अपराध भी हुए। इसे लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, कई जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध जनों ने भी विरोध शुरू कर दिया था।

नाइट वर्क कल्चर का यह था फंडा

नाइट वर्क कल्चर शुरू करने का खास मकसद यह था कि इंदौर में आईटी क्षेत्र के हजारों प्रोफेशनल्स विदेशों की कंपनियों से जुड़े हैं। वे यहां से ऑन लाइन काम करते हैं। ये विदेशी कंपनियां यहां ऑफिस खोलने का इसलिए रुख नहीं कर रही क्योंकि इंदौर में नाइट वर्क कल्चर नहीं है। दूसरी ओर सरकार द्वारा स्टार्टअप और आईटी सेक्टर्स को लगातार बढावा दिया जा रहा है। इस लिहाज से पहले फेस में बीआरटीएस के 12 किमी के हिस्से में शुरू किया गया था। इसमें दुकानें, ऑफिस, खान-पान की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई थी। साथ ही एआईसीटीएसएल ने इस हिस्से में रात को चार बसें शुरू की की।

ट्रांसपोर्ट, फूड सेक्टर्स से रोजगार की थी संभावना

यह भी माना गया था कि अन्य शहरों के लोग भी इसे लेकर इंदौर आना चाहते है। नाइट कल्चर शुरू होने के बाद वे भी इंदौर आएंगे। ट्रांसपोर्टेशन, फूड सहित कई सेक्टर्स की भी यहां जरूरत होगी। ऐसे में इन क्षेत्रों के लोगों को भी रोजगार मिलेगा साथ ही कई विदेशी कंपनियां के आने और उनसे रोजगार की संभावनाएं देखी जा रही थी। इसमें पुलिस, प्रशासन, नगर निगम, बिजली कंपनी सहित कई विभागों की जवाबदेही और चुनौतियां भी बढ़ गई थी। यहां रात को भी सफाई होती थी। सफाई के लिए रात में भी कचरा गाड़ियां चली। नाइट कल्चर शुरू करने वाला इंदौर देश का पांचवा शहर था।

ऐसे बिगड़ता गया ढर्रा

- नाइट वर्क कल्चर में रात को पब, बार आदि 24 घंटे खुलने की अनुमति नहीं थी। आदेश की आड़ में ये भी देर रात तक संचालित होने लगे। ऐसे में रात को युवाओं का रुख इस ओर बढ़ा। इस दौरान वहां और सड़कों पर आए दिन विवाद होने लगे।
- 12 किमी के जिस हिस्से को अनुमति दी गई थी, उसके अलावा भी आसपास खान-पान के ठिए संचालित होने लगे।
- सबसे खास यह कि रात को नशे का सेवन काफी बढ़ गया। युवाओं को अलग-अलग माध्यम से नशा उपलब्ध होने लगा।
- नशे के साथ तेज रफ्तार वाहन चलाने से दुर्घटना भी बढ़ी। इसके साथ ही आपसी विवाद भी काफी बढ़े।
- एआईसीटीएसएल की रात्रिकालीन बस में गुंडागर्दी होने लगी। इस पर तीन बसें बंद कर दी गई थी जबकि चौथी बस को भी बंद करने की तैयारी थी।
- अहम यह कि इंदौर की गौरवशाली छवि धूमिल होने लगी।

अब आगे क्या...

आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होने से शुक्रवार रात से अब कसावट शुरू हो जाएगी। जिस बीआरटीएस के 12 किमी के हिस्से में अनुमति दी थी, वहां की दुकानें, ऑफिस, होटल, खान-पान की दुकानें सहित सभी 11 बजे तक बंद करना होगी। इसके लिए पुलिस की सख्ती रहेगी।

- शराब की दुकानें, पब, बार आदि स्थानों पर भी शिकंजा कसना होगा क्योंकि युवाओं का रुख अब उधर ज्यादा होगा।
- मुख्यमंत्री के आदेश के तहत जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध जनों और अधिकारियों को अगले प्लान पर काम करना होगा। इसमें रात्रिकालीन बाजार, औद्योगिक संस्थान, कार्यालय संचालन आदि के लिए संबंधित क्षेत्रों, समय, मॉनिटरिंग सहित कई बिंदुओं पर कार्ययोजना बनाने होगी। इसमें भी आपत्तियों और सुझावों पर मंथन करना होगा। इसके बाद ही नया आदेश जारी हो सकेगा।

आरटीओ को हटाने विधायक रामेश्वर शर्मा ने लिखा पत्र

परिवहन मंत्री से कहा- आज तक कोई काम संतुष्टि जनक तरीके से नहीं किया

विश्वास का तीर

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में लगातार तीसरे दिन भी आवेदकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी बीच विधायक रामेश्वर शर्मा ने परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखा है कि जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल जितेंद्र शर्मा को हटाकर स्थायी रूप से क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को पदस्थ करने की बात कही है। उन्होंने यातायात सलाहकार समिति भोपाल का शिकायती आवेदन पत्र के आधार पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल जितेंद्र शर्मा को हटाने की बात कही है। लिखा है कि जितेंद्र नियुक्ति दिनांक से आज तक कोई भी कार्य संतुष्टि जनक तरीके से नहीं कर पाए हैं। परिवहन कार्यालय में तानाशाही करने पर इन्हें हटाकर अन्य किसी अधिकारी को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बनाया जाए।

शुक्रवार को भी पहले जैसे ही रहे हाल

दूसरी तरफ शुक्रवार को भी इक्का दुक्का लोग ही अपने काम करवाने पहुंचे। बताया जा राह है कि परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा के नए आदेश वाहन ट्रांसफर के समय उपस्थिति एवं पेपर जमा करने का भोपाल में एजेंट व कियोस्क संचालक 3 दिनों से हड़ताल पर हैं। सुबह 10 बजे जैसे ही आरटीओ खुला तो हर दिन की तरह आरटीओ संबंधी काम कराने वाले लोगों भीड़ नहीं दिखी। परिवहन सलाहकार संघ के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सभी एजेंट बुधवार को आरटीओ परिसर के सामने एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की थी। एजेंटों का कहना था कि नए आरटीओ शर्मा नियम बता रहे हैं, जबकि हमारा सीधे तौर पर आरटीओ कार्यों कोई सीधा लेना-देना नहीं है। ऐसे आवेदक आते हैं, जिन्हें नियमों व ऑनलाइन आवेदन करने का पता नहीं होता है, उनका काम करते हैं। इसके एवज में मेहनताना लेते हैं।

आरटीओ बोले- सभी काम नियमानुसार ही किए जा रहे हैं

आरटीओ भोपाल जितेंद्र शर्मा ने बताया- पब्लिक अपना काम खुद भी करवा सकती है, वह वाहन पोर्टल पर अपने आवेदन भी खुद कर कर सकते हैं, मेरे द्वारा मांगी जा रही जानकारी अलग नहीं है, इसका प्रावधान है, अब चाहे आप शपथ पत्र दें या फिर अधिकारिता पत्र दें, मगर देना जरूरी है। यह सभी काम नियमानुसार ही किए जा रहे हैं।

इटली में दिव्यांका की कार से 10 लाख की चोरी

विश्वास का तीर

टीवी कलाकार दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया के साथ इटली के फ्लोरेंस में लूटपाट का मामला सामने आया है। दंपती अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाने इटली गए हैं। दिव्यांका की मां नीलम त्रिपाठी ने बताया कि दोनों ने कार किराए पर ली थी। वे शॉपिंग के बाद रिजॉर्ट गए थे। इसी दौरान बदमाश उनकी गाड़ी का शीशा तोड़कर उनके पासपोर्ट, कुछ नकदी, कार्ड उठा ले गए। चोरी गए कुल सामान की कीमत 10 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। दिव्यांका ने परिजनों को बताया कि वह दोनों बुधवार को फ्लोरेंस पहुंचे थे। ठहरने के लिए एक प्रॉपर्टी देखने गए। इस दौरान अपना सारा सामान बाहर खड़ी कार में छोड़ दिया, लेकिन जब हम अपना सामान लेने वापस लौटे तो कार में सेंध लग चुकी थी। उन्होंने कहा कि दूतावास ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया है।?

विवेक के पाकिस्तानी दोस्त ने भेजा ई कार्ड

इधर भोपाल में दिव्यांका के माता-पिता चिंता में हैं। टीवी एक्ट्रेस के पिता नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि दामाद विवेक के पाकिस्तानी दोस्त रजा ने मदद के लिए अपना डिजिटल कार्ड शेयर किया है। उन्होंने विवेक-दिव्यांका से कहा है कि किसी बात की चिंता न करें। जो भी खर्च और पैसे की जरूरत इस कार्ड से पूरी करें। नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि घटना की सूचना इटली में होटल संचालक ने बेटी और दामाद की मदद की है। उन्हें वहां कोई परेशानी नहीं है। दिव्यांका और विवेक वहां एंबेसी में गए हैं, ताकि वह वहां से वापस आने के लिए आगे की फॉर्मलिटी कर सकें।

वहां थाने बंद हो जाते हैं 6 बजे

नरेंद्र कहते हैं इस घटना के बाद जब दिव्यांका और विवेक ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने गए। वहां जाकर पता चला कि पुलिस स्टेशन शाम 6 बजे बंद हो जाते हैं।

सोशल मीडिया पर किया वीडियो शेयर

सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए, विवेक दहिया ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। वीडियो में विवेक ने कहा, %यह एक सुरक्षित स्थान माना जाता था। होटल के लोगों को पता था कि हमारी कार में सामान है। इसके बावजूद, हमारे सभी दस्तावेज, पैसे, पासपोर्ट, पिछले 15 दिनों में की गई सारी खरीदारी सहित सब कुछ चोरी हो गया है। हमारा सब कुछ चोरी हो गया है। उसी पोस्ट में एक्टर ने आगे लिखा, कृपया हमें यह सुझाव देकर परेशान न करें कि देखभाल कैसे की जानी चाहिए। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। लेकिन मुझे आशा है कि ऐसा नहीं होगा। यदि आप मदद कर सकते हैं तो मदद करें, या सहानुभूति रखें, अगर ऐसा करना कठिन है तो कृपया अपना काम करें और आगे बढ़ें।

इस जर्नी में सब कुछ शानदार रहा सिवाय इस घटना के- विवेक दहिया

टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में विवेक ने की इस घटना का जिक्र किया है। विवेक ने कहा, %इस जर्नी में सब कुछ शानदार रहा सिवाय इस घटना के। हम कल फ्लोरेंस पहुंचे और एक दिन के लिए रहने का प्लान बनाया। हम अपने ठहरने के लिए एक प्रॉपर्टी देखने गए थे।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल में एमपी की छलांग

67 अंक हासिल कर फ्रंट रनर स्टेट की कैटेगरी में शामिल हुआ मध्यप्रदेश

विश्वास का तीर

मध्य प्रदेश ने नीति आयोग के एसडीजी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल) इंडिया इंडेक्स 2023-24 में 67 अंकों के साथ फ्रंट रनर स्टेट का दर्जा पाया है। सूचकांक के अनुसार मध्य प्रदेश ने 1.36 करोड़ व्यक्तियों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है। प्रदेश ने इंडेक्स में तय मानकों जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन, भूमि पर जीवन, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ पानी और स्वच्छता, सतत शहरी और सामुदायिक विकास तथा गरीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्ष 2020-21 में मध्य प्रदेश 62 अंकों के साथ परफॉर्मर राज्यों में शामिल था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस सफलता पर प्रदेश के अफसरों को बधाई देते हुए आने वाले समय में और अच्छा परफार्म करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बताया जाता है कि एमपी में 97.87त्न लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कवरेज मिल रहा है। कुल प्रसव में से संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 98.48त्न है। 9 से 11 महीने के आयु समूह में पूर्ण टीकाकरण वाले बच्चों का प्रतिशत 93.19त्न है। प्रदेश में जन्म के समय लिंगानुपात 950 के लक्ष्य के विरुद्ध 956 है। प्रदेश के शत प्रतिशत घरों में बिजली पहुंच गई है। प्रधानमंत्री जन धन योजना में महिला खाताधारकों का प्रतिशत 50त्न लक्ष्य के विरुद्ध 55.57त्न है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों से जुड़ी लक्षित बस्तियों का प्रतिशत 99.98त्न है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 33त्न के लक्ष्य के मुकाबले 50त्न है। पर्यावरण मानकों का अनुपालन करने वाले उद्योगों का प्रतिशत 98.40त्न है जबकि भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन आवरण क्षेत्र 25.14त्न है।

सतत विकास के टारगेट एचीव करने पर होती है रैंकिंग

गौरतलब है कि एसडीजी इंडिया इंडेक्स सूचकांक व्यापक रूप से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई प्रगति के आधार पर उनकी रैंकिंग निर्धारित करता है। इस सूचकांक में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लिए 16 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर लक्ष्यवार अंक की गणना की जाती है। 65 से 99 अंक प्राप्त करने पर फ्रंट रनर श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

भोपाल में बुजुर्ग ने लगाई फांसी

विश्वास का तीर

भोपाल के रातीबड़ इलाके में रहने वाले बुजुर्ग ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया जिसमें लिखा हुआ है कि मैं अपनी बीमारियों से परेशान हूं। मौत के बाद मेरा शरीर दान कर देना। पुलिस आत्महत्या के इस मामले की जांच कर रही है। चूंकि बुजुर्ग ने पहले से देहदान का फार्म नहीं भरा हुआ था इसलिए पुलिस अस्पताल में बात की और डॉक्टर्स द्वारा देह दान के लिए शरीर नहीं लिया गया। एएसआई विनीत कुमार ने बताया कि हमने डॉक्टर्स से इस बारे में बात की, उन्होंने सुसाइड किए हुए युवक को इसमें शामिल करने के लिए मना कर दिया। जिसके बाद शरीर का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। रातीबड़ पुलिस के अनुसार 65 वर्षीय कन्हैयालाल सूरज नगर में रहते थे। वे पोस्ट ऑफिस से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी

कोई संतान नहीं है। वे अपनी पत्नी के साथ रहते। 11 जुलाई को पत्नी किचन में चाय बना रही थीं और कन्हैयालाल अपने कमरे में थे। चाय बन जाने के बाद पत्नी जब चाय देने के लिए उनके कमरे में पहुंचीं तो उन्होंने पति को फांसी के फंदे पर लटका पाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा है कि मैं अपनी बीमारियों से परेशान होकर खुदकुशी कर रहा हूं। मौत के बाद मेरे शरीर को दान कर देना। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज तो दिया है लेकिन सुसाइड नोट में लिखी शरीर दान कर देने की बात को डॉक्टरों को बताया जाएगा। चूंकि बुजुर्ग ने मृत्यु से पूर्व कभी देहदान का फॉर्म नहीं भरा था इसलिए डॉक्टर्स ने भी इसको लेने से इनकार किया।

नर्सिंग घोटाले पर एफआईआर कराएगी कांग्रेस: अशोका गार्डन थाने में 18 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचेंगे कांग्रेसी

विश्वास का तीर

कांग्रेस 18 जुलाई को नर्सिंग घोटाले को लेकर पूर्व चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के विरुद्ध राजधानी के अशोका गार्डन थाने में एफआईआर दर्ज कराएगी। इसके लिए प्रदेश भर से कांग्रेसियों को भोपाल में जुटने के लिए कहा गया है। यहां जुटने वाले कांग्रेसी एक साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराएंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भोपाल के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों, उप ब्लाक अध्यक्षों के साथ बैठक की। इस बैठक में संगठनात्मक चर्चा के साथ-साथ आगामी 18 जुलाई को नर्सिंग घोटाले में शामिल प्रदेश के तत्कालीन शिक्षा एवं चिकित्सा मंत्री विश्वास सारंग के

विरूद्ध थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराये जाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। सिंह ने बताया कि पटवारी की अगुवाई में 18 जुलाई को हजारों की संख्या में कांग्रेसजन राजधानी के नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रभात पेट्रोल पंप पर एकत्रित होंगे और वहां से पैदल मार्च करते हुये अशोकागार्डन थाने जायेंगे, जहां नर्सिंग घोटाले को लेकर तत्कालीन शिक्षा एवं चिकित्सा मंत्री सारंग के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करायेंगे। इस बैठक में कांग्रेस के भोपाल जिले के विकास खंड अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि विधानसभा सत्र में भी कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले को लेकर सदन में सरकार को जमकर घेरा था और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री और विभाग में पदस्थ आईएएस अफसरों पर कार्रवाई की मांग की थी। इस दौरान यह कहा गया था कि बड़े मगरमच्छों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है।

आलेख

वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन के अनुसार भारत की वित्तीय प्रणाली बहुत मजबूत है

जून 2024 के अंतिम सप्ताह में, 27 जून 2024 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन जारी किया है। यह प्रतिवेदन वर्ष में दो बार, 6 माह के अंतराल पर, जारी किया जाता है। इस प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर, भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.8 प्रतिशत का रहा है तथा सकल अनर्जक आस्ति अनुपात पिछले कई वर्षों के सबसे निचले स्तर अर्थात 2.8 प्रतिशत पर एवं निवल अनर्जक आस्ति अनुपात केवल 0.6 प्रतिशत पर आ गया है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। न केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत बने हुए हैं अपितु गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी स्वस्थ बनी हुई हैं, जिनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.6 प्रतिशत, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.0 प्रतिशत और आस्तियों पर प्रतिलाभ 3.3 प्रतिशत रहा है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात का मजबूत स्थिति में रहने का आशय यह है कि इन बैंकों के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध है और इन बैंकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनर्जक आस्ति अनुपात का सबसे कम स्तर पर आने का आशय यह है कि बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है एवं इन ऋणों पर पर कोई दबाव दिखाई नहीं दे रहा है। उक्त प्रतिवेदन में भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पनप

रहे कुछ जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों द्वारा अभी भी सख्त मौद्रिक नीति का अनुपालन किया जा रहा है एवं इन देशों द्वारा ब्याज दरों को अभी भी उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर इन देशों में स्वीकार्य स्तर तक नीचे नहीं आ पाई है। भारत के लिए जरूर इस प्रकार के जोखिम कमजोर पड़े हैं क्योंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नीचे लाने में सफलता मिली है। परंतु, भारत में एक तो विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से नागरिकों पर ऋण का अतिरिक्त बोझ बड़ा है और दूसरे भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत की दर में कमी आई है। उक्त प्रतिवेदन में विशेष रूप से इन दो जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में नागरिकों की बचत दर घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 18.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है जो वर्ष 2013 से 2022 के बीच में औसतन 20 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, एक अन्य मानक के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच भारतीय नागरिक अपनी कमाई का औसतन 39.8 प्रतिशत भाग बचत करते थे परंतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह भाग घटकर 28.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बचत, दरअसल, दो प्रकार की होती है, एक वित्तीय बचत और दूसरे, सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत जरूर कम हुई है परंतु सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत में वृद्धि दृष्टिगोचर है। जैसे, मकान बनाने हेतु एवं कार खरीदने हेतु की गई बचत को सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में हाल ही के वर्षों में सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत का रुझान बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। आवास एवं कार आदि जैसी सम्पत्तियां खरीदने हेतु भारत में मध्यवर्गीय परिवार अपनी बचत के साथ ही बैंकों से ऋण लेकर भी इन सम्पत्तियों का निर्माण कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था के चक्र में भी तेजी दिखाई देने लगी है क्योंकि मकान बनाने के लिए स्टील, सिमेंट, आदि पदार्थों की खपत भी बढ़ रही है एवं इन उत्पादों का उत्पादन भी विनिर्माण इकाईयों द्वारा अधिक मात्रा में किया जा रहा है, इससे देश में रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, इससे देश के अर्थ चक्र में तेजी दिखाई देने लगी है। साथ ही, वित्तीय बचत कम इसलिए भी हो रही है क्योंकि अब देश का पढ़ा लिखा नागरिक वित्तीय रूप से अधिक साक्षर हो गया है एवं अब यह स्थिति समझने लगा है कि बैंकों एवं पोस्ट ऑफिस में बचत करने पर मिल रहे ब्याज की तुलना में शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने तथा सोने एवं चांदी जैसे पदार्थों में निवेश करने से अधिक आय का अर्जन सम्भव होता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भूमि का टुकड़ा खरीदकर उस पर भवन का निर्माण कर तुलनात्मक रूप से अधिक आय का अर्जन किया जा सकता है। अत: बैंकों एवं पोस्ट ऑफ़िस के स्थान पर अब देश के नागरिक देश के पूंजी बाजार में अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं। दूसरे, मध्यवर्गीय परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। इससे, इनकी कुल आय का अधिक प्रतिशत अब इन मदों पर खर्च होता दिखाई दे रहा है, इससे अंतत: इन परिवारों की बचत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इसी कारण के चलते नागरिकों की शुद्ध वित्तीय बचत में 11.3 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2022-23 में 28.5 प्रतिशत की रही है और पिछले 10 वर्षों के दौरान औसतन 39.8 प्रतिशत की रही थी। कोरोना महामारी के दौरान चूंकि पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया था अत: इस दौरान भारत में घरेलू बचत दर बढ़कर 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद जैसे ही लॉकडाउन को हटाया गया, नागरिकों ने अपने खर्चों में वृद्धि करना शुरू कर दिया एवं आस्तियों में निवेश भी करना शुरू किर दिया था।

संपादकीय

प्रधानमंत्री के खिलाफ बैल बुद्धि अभियान चला कर कांग्रेस ने बालक बुद्धि का परिचय दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। यह प्रतिद्वंद्विता चुनावों के दौरान तीखे हमलों में भी तब्दील हो जाती है। लेकिन जनता इसे सामान्य रूप में ही लेती है क्योंकि यह अपेक्षित ही है कि राजनीतिक विरोधी एक दूसरे पर हमले करेंगे ही लेकिन चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है जब राजनीतिक हमले शालीनता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की लक्ष्मण रेखा को लांघ जाते हैं। कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पर जिस तरह के हमले किये जा रहे हैं वह राजनीति में शिष्टाचार खत्म होने का संकेत तो है ही साथ ही इससे यह भी प्रदर्शित हो रहा है कि कांग्रेस को मोदी को लगातार तीसरी बार मिला सरकार चलाने का जनादेश नहीं भाया है। कांग्रेस को समझना होगा कि देश का प्रधानमंत्री किसी एक दल का नेता नहीं होता बल्कि वह समस्त भारतीयों का प्रधानमंत्री होता है। प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति दुनिया में भारत का चेहरा होता है। प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से भले कितने भी वैचारिक और राजनीतिक मतभेद हों लेकिन उसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। साथ ही प्रधानमंत्री पर राजनीतिक हमले करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश के संवैधानिक पद का कोई अपमान नहीं हो जाये। लेकिन खेद की बात यह है कि देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली और देश को सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री देने वाली कांग्रेस प्रधानमंत्री के पद का लगातार अपमान करने में लगी हुई है। हम आपको याद दिला दें कि जब-जब गांधी परिवार के पास प्रधानमंत्री पद रहा तब-तब ही कांग्रेस ने इसका सम्मान किया। इतिहास उठा कर देखेंगे तो पाएंगे कि लाल बहादुर शास्त्री से लेकर नरेंद्र मोदी तक...कांग्रेस को यह पचा ही नहीं कि कैसे कोई गैर-गांधी परिवार का व्यक्ति देश पर राज कर रहा है। पिछला उदाहरण डॉ. मनमोहन सिंह का है। जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब उनके पास सारे अधिकार ही नहीं थे। मंत्री उनकी बात नहीं सुनते थे और सारे बड़े फैसले सोनिया गांधी करती थीं। इसके बाद जबसे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तबसे कांग्रेस ने उनके खिलाफ निचले और निजी स्तर पर हमले करने का अभियान चलाया। मोदी पर कांग्रेस के हमलों का जवाब जनता चुनावों में देती रही लेकिन इस बार के लोकसभा चुनावों में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सीटें क्या घटीं, कांग्रेस के हमले और निचले स्तर पर चले गये हैं। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को %बैल बुद्धि% करार देते हुए सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अभियान चलाया हुआ है जिसे कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता आगे बढ़ा रहे हैं। भले कांग्रेस ने यह अभियान प्रधानमंत्री की ओर से राहुल गांधी को %बालक बुद्धि% बताये जाने के जवाब में चलाया हो लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री पद की एक गरिमा होती है।

विधायकों, अफसरों से बोले सीएम मोहन

रिटायर पटवारी, आरआई को संविदा पर रखें और राजस्व मामले निपटाएं

विश्वास का तीर

प्रदेश में बारिश के दौर में विधायकों और अफसरों को सतर्क रहना होगा ताकि किसी भी तरह की दिक्कत की सूचना पर आम जनता को तुरंत राहत प्रदान की जा सके। जिलों में आपदा की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने के लिये डॉक्टर, जिला कलेक्टर्स के सम्पर्क में रहें। ठमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये बातें शुक्रवार को इंदौर संभाग के विधायकों के साथ बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि जिलों में राजस्व अमले की कमी होने पर जिलों से सेवानिवृत्त पटवारी, राजस्व निरीक्षकों को संविदा पर रख लंबित प्रकरणों का निराकरण कर जनता को राहत दी जाए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि किसी भी स्तर पर राजस्व प्रकरणों के लंबित रहने से आमजन परेशान न हों। साथ ही पटवारी अपने मुख्यालय पर उपलब्ध रहना तय करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े नगर निगमों में गौ-शालाओं की क्षमता बढ़ाकर उचित व्यवस्था की जाए।

अस्पतालों का निरीक्षण करें विधायक और अफसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक एवं प्रशासकीय अधिकारी अपने क्षेत्र के अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जांच करें। साथ ही शासकीय योजनाओं का आम जनता को लाभ उपलब्ध कराना तय करें। अस्पतालों की व्यवस्था को ठीक करने के लिए सीएसआर फंड का भी उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक हॉस्टल, आंगनवाड़ियों एवं दीनदयाल रसोई की व्यवस्था सहित वहां उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी लें। जन-सामान्य से जुड़ी संस्थाओं जैसे स्कूल, महाविद्यालय, उचित मूल्य की दुकान आदि की कार्य प्रणाली का भी निरीक्षण किया जाए।

सभी शहरों में बनाएं एंट्री गेट

एक अन्य बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी नगरों में प्रवेश द्वार बनाए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्गों एवं राज्य राजमार्गों के विकास के साथ ही मार्गों पर नगरों की संस्कृति, उनकी ऐतिहासिकता तथा विशिष्ट पहचान को दर्शाते प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जाए। यह प्रवेश द्वार नगरों की पहचान बनने के साथ-साथ मार्गों पर निगरानी करने तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे। सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश के दूरवर्ती अंचलों को राजधानी भोपाल से सीधे जोड़ने के लिए बनाई जाने वाली सड़कों के प्रस्तावों का समय-सीमा में क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की गई। इसमें दमोह से शाहगढ़, मुरैना-सबलगढ़, धार-गुजरी, बमिठा-सतना, सतना से चित्रकूट, जबलपुर-दमोह व औबेदुल्लागंज-बैतूल-नागपुर मार्ग के पृथक-पृथक निर्माण स्तर एवं उज्जैन से झालावाड़ मार्ग को टू लेन से फोर लेन करने के संबंध में चर्चा की गई।

बीजेपी सांसद बंटी साहू की पत्नी ने कराया मुंडन

छिंदवाड़ा में पति की जीत के लिए मांगी थी मन्नत; कहा- प्रतिज्ञा पूरी हुई

विश्वास का तीर

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद विवेक बंटी साहू की पत्नी शालिनी साहू ने मुंडन कराया है। उन्होंने कहा, 'हाल में हुए लोकसभा चुनाव में पति की जीत के लिए मन्नत मांगी थी, इसलिए तिरूपति बालाजी जाकर प्रतिज्ञा पूरी की है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने विवेक बंटी साहू को उम्मीदवार बनाया था। 4 जून को आए नतीजों में उन्होंने कमलनाथ के बेटे और कांग्रेस उम्मीदवार नकुलनाथ को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया। चुनाव के दौरान शालिनी साहू ने भी महिलाओं के साथ प्रचार किया था।

पति की जीत पर मुंडन कराने की मांगी थी मन्नत

शालिनी साहू ने बताया, 'चुनाव से पहले मन्नत मांगी थी कि पति की जीत के बाद तिरूपति बालाजी जाकर मुंडन कराऊंगी। हाल ही में बेटे के साथ तिरूपति बालाजी पहुंची। यहां मन्नत के मुताबिक मंगलवार को मुंडन कराया और भगवान बालाजी को बाल अर्पित किए।' शालिनी ने जीत की कामना को लेकर छिंदवाड़ा से जामसांवली हनुमान मंदिर तक पदयात्रा भी की थी।

सास ने की थी हनुमान मंदिर तक दंडवत यात्रा

बंटी विवेक साहू की सास यानी शालिनी साहू की मां ने भी अपने दामाद के लिए मनोकामना मांगी थी। चुनाव में जीत के तुरंत बाद विवेक बंटी की सास भी हनुमान मंदिर तक दंडवत प्रणाम करते पहुंची थीं।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट में शादी के बंधन में बंधे। सबसे पहले वरमाला हुई। इससे पहले अंबानी परिवार शाम को 6 बजे बारात लेकर पहुंचा था। सेंटर में अंदर बारातियों ने जमकर डांस किया। प्रियंका चोपड़ा, शाहरुख खान, रजनीकांत, रेसलर जॉन सीना, रणवीर सिंह, संजय दत्त, जान्हवी कपूर और अर्जुन कपूर ने खूब डांस किया। मां नीता अंबानी थिरकती नजर आईं।

नाबालिग बच्ची के प्राइवेट पार्ट में डाला गर्म तेल

रेप करने की कोशिश की थी; दो दिन तक कमरे में दर्द से तड़पती रही मासूम

विश्वास का तीर

15 साल की नाबालिग बच्ची से हैवानियत नहीं कर पाने पर युवक ने प्राइवेट पार्ट में गर्म तेल डाल दिया। आरोपी ने मासूम को कमरे में बंद कर दिया। दो दिन तक बच्ची दर्द से तड़पती रही। मां को बताया तो चुप रहने को बोल दिया। घर से भागकर नाबालिग पुलिस के पास पहुंची। मामला जैसलमेर का है। जानकारी के अनुसार महिला की महाराष्ट्र यहां हरियाणा के युवक के साथ 8 साल से लिव इन रिलेशन में रह रही है। युवक के दो बेटे और महिला के दो बेटियां एवं एक बेटा है। महिला की छोटी बेटी ने मां के साथ लिव इन में रहने वाले युवक पर आरोप लगाए है। बच्ची ने बाल कल्याण समिति की काउंसलिंग में बताया कि 14 जून को मां के साथ लिव इन में रहने वाले मुंह बोले चाचा ने हैवानियत करने की कोशिश की। बच्ची ने विरोध किया तो पहले तो उसने मारपीट की और फिर उसके प्राइवेट पार्ट में गर्म तेल डाल दिया। उसने मां को बताया तो वह कुछ भी नहीं बोली और उसे चुप रहने को कहा। आरोप है कि युवक ने बच्ची को दो दिन तक कमरे में बंद रखा। शरीर में जब बदबू आने

लगी तब मां अस्पताल लेकर गई, जहां इलाज करवाया। बच्ची ने बताया कि उसकी बड़ी बहन से भी उसका चाचा हैवानियत करता है।

60 रुपए चोरी के आरोप में फिर पीटा

बालिका ने आरोप लगाया कि दूसरी बार 30 जून को मां को पूछकर उसने मुंह बोले चाचा की जेब से 60 रुपए लिए। तब चाचा ने गलत काम के लिए मना करने का बदला लेते हुए फिर उसे पीटा। मारपीट होने पर बच्ची घर से भागी और रास्ते में ट्रैफिक पुलिसकर्मी को अपनी दास्तान बताई। ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने उसे कोतवाली थाने भिजवाया और मारपीट का मामला दर्ज किया। बच्ची ने घर जाने का मना किया तब पुलिस ने इसे सखी केंद्र भेजा। जहां से बच्ची को बाल कल्याण समिति के सुपुर्द किया गया।

बाल कल्याण समिति को बताया हैवानियत की कोशिश की

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष मुकेश व्यास ने बताया कि बच्ची ने अनैतिक कार्य के लिए मना करने पर मारपीट कर प्राइवेट पार्ट में गर्म तेल डालने की शिकायत की। जिस पर पुलिस को लेटर भेजकर मामला दर्ज करने की बात लिखी गई है। अब महिला थाना बच्ची के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। महिला थानाधिकारी गीता विश्नोई ने बताया कि बालिका से पहले पूछताछ में उसने गर्म तेल से जलाने की शिकायत दी थी। जिसके बाद अब बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने पत्र भेजकर अनैतिक काम करने की बात कही है। बालिका के अब बयान दर्ज किए जाएंगे। जिसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी। एक जुलाई को उसकी मां को पूछताछ के लिए बुलाया था।

बीजेपी विधायक ने नेशनल-हाइवे के गड्ढों पर दी संज्ञा

बिहार की तरह पुल तो नहीं गिर रहे

विश्वास का तीर

मप्र में शुक्रवार को भाजपा ने प्रदेशभर में जिला मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। जिसमें बजट को लेकर मंत्री, विधायक, सांसद को पत्रकारवार्ता की जिम्मेदारी दी। नर्मदापुरम भाजपा कार्यालय में भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवान दास सबनानी ने 3 जुलाई को मप्र सरकार द्वारा जारी बजट को लेकर अच्छाई, विकास कार्यों की व सरकारी योजनाओं का बखान किया। विधायक सबनानी ने मप्र में बन रही सड़कों की तारीफ का बखान किया। जिसमें औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे को लेकर कहा पहले भोपाल से आने में समय लगता था। अब कुछ की घंटे में यह दूरी पूरी हो जाती है। 12 किमी के हिस्से का काम भी कुछ महीने में पूरा हो जाएगा। जब मीडिया ने विधायक से सवाल पूछा कि आप औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाइवे 46 को अच्छा बता रहे हो। बरखेड़ा से इटारसी 11 मुखी हनुमान मंदिर तक फोरलेन को बने मात्र 2 साल भी नहीं हुए। उस हाइवे पर जगह-जगह गड्?ढे हो गए। कहीं सड़क धंस गई तो कहीं दरारें आ गई। इतने हिस्से में तेज रफ्तार में गाड़ी उचलती है? इस सवाल का जवाब देने के बजाय विधायक सीधे बिहार में हुए पुलों पर

पहुंच गए। उन्होंने कहा यहां(मप्र में) बिहार की पुल तो नहीं गिर रहे। जब उनसे दोबारा कहा कि बिहार में तो नितिश कुमार की सरकार है। जो आपकी पार्टी का गठबंधन है। जिसके बाद विधायक सबनानी ने तुरंत बात संभाली और झारखंड राज्य में बने पुलों पर बात को घुमा दिया। भाजपा प्रदेश महामंत्री सबनानी ने बजट की खुबियां गिनाने के साथ प्रदेश में एक साथ 29 की 29 सीटें जीतने पर कहा कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए को ऐतिहासिक बहुमत मिला और नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। 62 वर्षों बाद देश ने किसी प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में जनादेश देकर स्वीकारोक्ति की है। भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बताई चार जातियां युवा, गरीब, महिला और किसान सहित सभी समाज वर्ग के कल्याण के लिए किए गए कार्यों से विजय मिली है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष माधवदास अग्रवाल नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा] सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र ठाकुर, हंस राय, मनोहर बडानी, भाजपा जिला महामंत्री प्रसन्ना हर्णे, मुकेशचंद्र मैना, लोकेश तिवारी, मीडिया प्रभारी अमित महालहा, सह मीडिया प्रभारी राजा तिवारी, महेंद्र यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

8 साल के बच्चे की पिता ने की हत्या

मानसिक रोगी था बच्चा, थाने पहुंचकर पिता ने किया सरेंडर

विश्वास का तीर

कोलार इलाके में मानिसक दिव्यांग बच्चे की उसके पिता ने गला घोंटकर हत्या कर दी, यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 6ः30 बजे की है, जब बच्चे की मां छत पर किसी काम से गई तब पिता ने बच्चे का गला दबा दिया। जिसके बाद पिता ने खुद थाने में पहुंचकर सरेंडर किया। जिसके पुलिस ने पिता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार बच्चे का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, कोलार स्थित गणपति ऐनक्लेव के पास राधाकृष्ण कॉम्प्लेक्स में शबरी सिक्योरिटी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करने वाले अनिताभ (45) का बेटा आरव (8) पत्नी और सास के साथ रहते थे। सुबह करीब 6ः30 बजे जब अनिताभ की पत्नी छत पर किसी काम से गईं तो अनिताभ ने बच्चे का गला घोंट दिया। जब पत्नी अपने काम खत्म करके वापस आईं तो देखा वह बेसुध है, वह तुरंत ही बच्चे को लेकर जेके अस्पताल गईं, जहां पर बच्चे को

मृत घोषित कर दिया। दूसरी तरफ सुबह करीब 9 बजे अनिताभ भी कोलार पुलिस पहुंच गए, और पुलिस को पूरा घटनाक्रम बताया पुलिस अनि। फिर पुलिस ने अनिताभ के साथ पहले जेके अस्पताल पहुंची और वहां से शव को लेकर हमीदिया अस्पताल शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा।

इसलिए की हत्या

अनिताभ ने पुलिस को बताया कि आरव जिसकी उम्र आठ साल है, वह जन्म जात से ही मानिसक दिव्यांग है, जिसको लेकर वह अपनी जिंदगी भर जो भी पूंजी जमा कर पाए वह पूरी इलाज के खर्च कर चुके हैं। बच्चा मानिसक रूप से डिसेबल था हम मां बाप परेशान थे। घर में कोई भी करने वाला नहीं था। इसलिए उन्होंने यह कदम उठाया। टीआई आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि आरोपी अनिताभ 8 साल के बेटे को लेकर परेशान था। बेटे को खुद ही खाना-पीना जैसे सारे काम कराने पड़ते थे। उसके इलाज में काफी पैसा लगता था। सैलरी कम होने से बेटे का भरण-पोषण नहीं कर पाता था। इस वजह से वह तनाव में रहता था, इसलिए उसकी हत्या कर दी। इस मामले में शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है, अनिताभ को हिरासत में लेकर हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

केजरीवाल को ईडी केस में जमानत

सुप्रीम कोर्ट बोला- सीएम बने रहना है या नहीं खुद तय करें

विश्वास का तीर

शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी है। जस्टिस संजीव खन्ना ने जमानत देते हुए कहा- केजरीवाल 90 दिन से जेल में हैं। इसलिए उन्हें रिहा किए जाने का निर्देश देते हैं। हम जानते हैं कि वह चुने हुए नेता हैं और ये उन्हें तय करना है कि वे मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं या नहीं। जस्टिस खन्ना ने कहा- हम ये मामला बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। गिरफ्तारी की पॉलिसी क्या है, इसका आधार क्या है। इसके लिए हमने ऐसे 3 सवाल भी तैयार किए हैं। बड़ी बेंच अगर चाहे तो केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर बदलाव कर सकती है। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उसके बाद राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें कस्टडी में भेज दिया था। गिरफ्तारी और कस्टडी को केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर सुनवाई हुई। केजरीवाल को ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत मिली है। उनके खिलाफ दूसरा मामला सीबीआई का है। जिसमें उनकी न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ गई है, इसलिए वे जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे।

आप ने कहा - कोर्ट ने भाजपा सरकार को सबक सिखाया

केजरीवाल को जमानत मिलने के फैसले के आते ही आम आदमी पार्टी ने कहा- उम्मीद है जल्द ही केजरीवाल को सीबीआई मामले में भी जमानत मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत से यह साबित होता है कि आबकारी नीति केस उनके खिलाफ भाजपा की साजिश है। हर अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ भाजपा की साजिश को उजागर किया है।

हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी को सही ठहराया था

केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और उसके बाद जांच एजेंसी की हिरासत में भेजे जाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 9 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही करार दिया था। इस फैसले के खिलाफ केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को केजरीवाल की याचिका पर ईडी से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही बताते हुए कहा था कि इसमें कुछ भी अवैध नहीं था, क्योंकि केजरीवाल कई समन भेजे जाने के बाद भी पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस नहीं आए। इसके बाद ईडी के पास उन्हें गिरफ्तार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

ईडी ने शराब नीति केस में सातवीं सप्लिमेंट्री चार्जशीट दाखिल की

इधर, शराब नीति केस में ईडी ने मंगलवार (9 जुलाई) को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सातवीं सप्लिमेंट्री चार्जशीट पेश की। 208 पेज की इस चार्जशीट में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को केस का सरगना और साजिशकर्ता बताया गया है। चार्जशीट में कहा गया कि स्कैम से मिला पैसा आम आदमी पार्टी पर खर्च हुआ है। ईडी ने चार्जशीट में कहा कि केजरीवाल ने 2022 में हुए गोवा चुनाव में कके चुनाव अभियान में यह पैसा खर्च किया। दावा किया गया है कि केजरीवाल ने शराब बेचने के कॉन्ट्रेक्ट के लिए साउथ ग्रुप के सदस्यों से 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 45 करोड़ रुपए गोवा चुनाव पर खर्च किए गए थे। ईडी ने जोर देकर कहा कि केजरीवाल ने दावा किया कि आप के पूर्व मीडिया प्रभारी और इस केस के सह-आरोपी विजय नायर ने उनके नहीं, बल्कि मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के अधीन काम किया था।

राहुल गांधी स्मृति ईरानी के बचाव में आए: कहा- उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा ठीक नहीं; बंगला खाली करने पर ट्रोल किया जा रहा

विश्वास का तीर

स्मृति ईरानी समेत चार पूर्व केंद्रीय मंत्रियों ने 11 जुलाई को लुटियंस दिल्ली में अपने सरकारी बंगले खाली कर दिए हैं। यह खबर सामने आने के बाद से लगातार सोशल मीडिया पर स्मृति ईरानी को ट्रोल किया जा रहा था। यह देखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा नेता स्मृति ईरानी का बचाव किया है। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- जीवन में हार-जीत तो होती रहती है। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे स्मृति ईरानी या किसी और नेता के लिए अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल और बुरा व्यवहार करने से बचें। लोगों को अपमानित करना कमजोरी की निशानी है, ताकत की नहीं। स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट से दूसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा ने 1.5 लाख से ज्यादा वोटों से हराया। कांग्रेस के समर्थकों ने उनकी हार को अपमानजनक हार कहा। बंगला खाली करने

को लेकर एक बार फिर स्मृति कांग्रेस समर्थकों के निशाने पर आ गईं। जिसके चलते उनके बचाव राहुल गांधी ने यह पोस्ट की।

पहले चुनाव हारने, फिर बंगला खाली करने को बनाया मुद्दा

2024 लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार के 17 केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा स्मृति ईरानी की हार की रही। पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी सीट से कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा ने 1.5 लाख से ज्यादा वोटों से हार गईं। जबकि 2019 लोकसभा चुनाव में स्मृति ने राहुल गांधी को हराया था। मोदी सरकार के नए नियुक्त मंत्रियों को सरकारी आवास दिए जाने हैं। जिसके लिए एक बैठक भी बुलाई गई थी। इसी कड़ी में पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने 28 तुगलक क्रिसेंट वाला सरकारी बंगला खाली कर दिया। इस पर कांग्रेस समर्थकों ने ईरानी को ट्रोल करना शुरू कर दिया लोकसभा भंग होने के एक महीने के अंदर सरकारी बंगला खाली करना होता है। राष्ट्रपति ने 5 जून को 17वीं लोकसभा भंग की थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आपयुष राजपूत द्वारा कविता आर्पफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636